

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग **II--**लण्ड 3~-उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (il)

प्राधिकार हे प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩o 524]

नई विल्ली, बुधवार, दिसम्बर 31, 1975, पौष 10, 1897

No. 524

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER, 31, 1975/PAUSA 10, 1897

इस भाग में नित्र १६८, पंड्या दो जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MUNISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st December, 1975

- S. O. 745(E).—In exercise of the powers conferred by section 114 read with sub-section (6) of section 27 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Gold Control)Licensing of Dealers) Rules, 1969, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Gold control (Licensing of Dealers) Amendment Rules, 1975.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Gold Control (Licensing of Dealers) Rules. 1969 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2—
 - (a) in clause (d), after the words "had been cancelled", the words "or not renewed" shall be inserted;
 - (b) in clause (f), in the proviso, after item (c), the following item shall be inserted, namely:—
 - "(d) a person of Indian origin who has been a dealer outside India for not less than three years prior to his repatriation and who had to close his business and repatriate to India."

- 3. In rule 3 of the said rules-
 - (a) for the heading "Matters to be considered for the renewal of the licence", the following heading shall be substituted, namely;
 - "Conditions for the renewal of a licence"
 - (b) in clause (a), after the words "at least one month", the words "and not more than two months" shall be inserted;
 - (c) for clause (ee), the following clause shall be substituted, namely:-
 - "(ee) that the applicant has been a wholesale dealer in standard gold bar, article or ornament, or the turnover of the applicant with persons, other than licensed dealers, in the twelve months immediately preceding the date of application for renewal of the licence was not too low.
 - Explanation I.—For the purposes of this clause, turnover shall be deemed to be too low if it is on the average, not more than fifty grammes per month except where the applicant satisfies the Administrator that there are sufficient reasons for an average monthly turnover of lower than fifty grammes.

Explanation II.—For the purposes of these rules 'turnover' means—

- (a) sale of ornaments and articles;
- (b) remaking of another person's ornaments and articles.".

[No. F. 131/34/75-GC.II—21/75.]

M. G. ABROL, Addl. Secy.

विस्त मंत्रालय (राजस्य ग्रौर थीमा विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1975

का॰ गा॰ 745(ग्र).—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) ग्रिधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 27 की उपधारा (6) के साथ पठित धारा 114 कारी प्रवत्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए, स्वर्ण नियंत्रण (क्यौहारियों का ग्रंमुजापन) नियम, 1969 में ग्रौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रंथीत्:—

- 1. (1) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियंत्रण (ब्युग्रैहारियों का श्रनुजापन) सशोधन नियम, 1975 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. स्वर्ण नियंतण (क्यौहारियों का अनुज्ञापन) नियम, 1969 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उसत नियम कहा गया है), नियम 2 में--
 - (क) खण्ड (क) में "रट् कर दिया गया था" शब्दों के पश्चात् "अथवा नवीकृत नहीं किया गया है" शब्द श्रन्त:स्थापित किए जाएँगे;
 - (ख) खण्ड (च) में, परन्तुक में सद (ग) के पश्चात् निम्निलिखित्, भदे श्रीन्त स्थापित की जाएगी, श्रथित्:—
 - "(घ) भारतीय मूल का वह व्यक्ति जो श्रपनी स्वदेश में वापसी के पूर्व कम से कम तीन वर्ष तक भारत के बाहर व्योहारी रहा हो और जिसे श्रमना व्यापीर बन्द करना पड़ा हो और भारत वापस आन्त्र पड़ा हो।"

- 3. उक्त नियमों के नियम 3 में--
 - (क) "अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए विचारयोग्य विषय" शीर्षंक के स्थान पर निम्न-लिखित शीर्षक रखा जाएगा, श्रर्थात्— "अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए शतें"
 - (ख) खण्ड (क) में, "कम से कम एक मास" शब्दों के पश्चात् "ग्रीर श्रधिक से ग्रधिक दो मास" शब्द श्रन्त:स्थापित किए जाएंगे;
 - (ग) खण्ड (इड) के स्थान पर निम्निखित खण्ड रखा जाएगा, भ्रथित्:---
 - "(इन्ड) भ्रावेदक मानक स्वर्ण शलाकाभ्रों, वस्तुभ्रों भ्रौर भ्राभूषणों का थोक ब्यौहारी रहा है, या भ्रनुश्चप्ति के नवीकरण के लिए भ्रावेदन की तारीख के ठीक पूर्ववर्ती बारह मास में भ्रावेदक का, श्रनुश्चप्त व्यौहारियों से भिन्न व्यक्तियों के साथ म्रावर्त बहुत कम नहीं था ।

स्पष्टीकरण 1.—इस खण्ड के प्रयोजनों के लिए भ्रावर्त को बहुत कम समझा जाएगा यदि वह श्रीसतन प्रति मास 50 ग्राम से भ्रधिक नहीं हो सिवाय तब के जब भ्रावेदक प्रशासक का यह समाधान कर देता है कि 50 ग्राम से कम मासिक श्रीसत ग्रावर्त के लिए यथेष्ट कारण थे।

स्पष्टीकरण 2.--इस नियम के प्रयोजनों के लिए "ग्रावर्त" से ग्रिभिन्नेत है:---

- (क) ग्राभूषणों ग्रीर वस्तुग्रों का विक्रय;
- (ख) अन्य व्यक्तियों के आभूषणों और वस्तुओं का पुनः तैयार किया जाना।"

[सं॰ फा॰ 131/34/75-जीसी II---21/75] एम॰ जी॰ एक्रोल, श्रपर सर्जिव ।

